न्यायमूर्ति तात्यासाहेब आठल्ये कला, वेदमूर्ती शं.रा.सप्रे वाणिज्य व विधीज्ञ.दादासाहेव. विज्ञान महाविद्यालय, देवरुख.जिला. रत्नागिरी.

हिंदी विभाग अध्ययन मंडल सभा कार्यवृत्त--शैक्षणिक वर्ष 2021 -22

बुधवार तिथि 5 मई 2021 के दिन महाविद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल की तीसरी सभा का आयोजन किया गया । प्रस्तुत सभा में अध्ययन मंडल के निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थें ।

1 डॉ. अनिलकुमार सिन्ह
2 डॉ. विजयकुमार रोडे
3 डॉ. राहुल मराठे
4 डॉ. वर्षा फाटक
5 श्री .बलवंत नलावडे

यह सभा तिथि 5 मई के दिन सुबह 11:00 बजे से 1:00 बजे तक चली इस सभा में उपर्युक्त सदस्यों की उपस्थिति में कार्यपत्रिका के हर निम्नलिखित विषयोंपर विचार विनिमय किया गया ।

कार्यपत्रिका विषय--

1 पिछली सभा के कार्यक्रमों को पढ़कर अनुमति लेना ।

2 शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से तृतीय वर्ष कला हिंदी पेपर नंबर 1 हिंदी पेपर नंबर 2 तथा हिंदी पेपर नंबर 3 इन तीनो प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम में परिवर्तन करना ।

3 महाविद्यालय जिस स्थान पर स्थापित है उसकी आवश्यकता के अनुसार बदलाव करना ।

4. हिंदी पेपर नंबर 3 के सेमिस्टर 5 में सूचना प्रौद्योगिकी तथा सेमिस्टर 6 के सोशल मीडिया के पेपर्स के अंतर्गत कुछ व्यावहारिक अंशो को जोड़ दिया जाए ।

5 बच्चों के अंतर्गत मूल्यमापन के लिए कुछ कार्यशालाओं का आयोजन करना ।

6 हिंदी विभाग के अंतर्गत कुछ मूल्याधिष्ठित प्रमाणपत्र प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना ।

आदि

सबसे पहले हिंदी अध्ययन मंडल की अध्यक्षा प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने सभी उपस्थित सदस्योंका महाविद्यालय,शिक्षण संस्था तथा हिंदी विभाग की ओर से मन:पूर्वक स्वागत किया ।
शैक्षणिक वर्ष 2021- 22 की यह सभा **तृतीय वर्ष कला** हिंदी पेपर नंबर 1 हिंदी पेपर नंबर 2 तथा हिंदी पेपर नंबर 3 के प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम को तैयार करने के लिए आयोजित की गयी थी ।
प्रस्तुत सभा में कार्य पत्रिका में समाविष्ट उपर्युक्त विषय पर क्रमवार चर्चा तथा विचार विनिमय हुआ । जैसे----

विषय क्रमांक 1

शैक्षणिक वर्ष और 2021-22 से तृतीय वर्ष कला के हिंदी पेपर नंबर 1, 2 और 3 के सेमिस्टर नंबर 5 तथा सेमिस्टर 6 के पाठ्यक्रम में बदलाव को लेकर तैयार करना ।

प्रस्ताव--

प्रस्तुत विषय को लेकर प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने स्वायत्त महाविद्यालय में अध्ययनक्रम बदलने के नियम तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से दी गई मार्गदर्शक सूचनाएं क्या है, इसके बारे में सभा को जानकारी दी और कहा कि हमारे प्रथम वर्ष कला और व्दित्तीय वर्ष कला इन दोनों सालों के चारों सेमिस्टरों के पाठ्यक्रम बढ़िया रहे हैं । बच्चों की क्षमता और भविष्यकाल की संभावनाएं इन दोनों दृष्टियों से सफल रहे हैं ।इसके लिए सभी सदस्यों का मन:पूर्वक धन्यवाद।

प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने यह भी स्पष्ट किया कि--

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मार्गदर्शक सूचनाओं के अनुसार हमारे पालक विश्वविद्यालय मुंबई विश्वविद्यालय की हिंदी अभ्यास मंडल की ओर से बने पाठ्यक्रम में हम 30% तक बदलाव कर सकते है अतः इस संदर्भ में चर्चा हो ।

इस विषय को लेकर समिति के सदस्य और मुंबई विश्वविद्यालय अध्ययन मंडल के अध्यक्ष सम्मानीय डॉक्टर अनिल कुमार सिंह कहां कि आपके महाविद्यालय के साथ-साथ तीनों साल मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग का पाठ्यक्रम बन रहा है ।अतः इस साल भी विश्वविद्यालय का तृतीय वर्ष का पाठ्यक्रम बदलने वाला है इस दृष्टि से विश्व विद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल की ओर से पाठ्यक्रम तैयार भी हुआ है वह सन्मानीय कुलगुरू महोदय के सामने रखा गया है किंतु अभी तक उस पर मुहर नहीं लगी है इसीलिए यह पाठ्यक्रम हम सार्वजनिक नहीं कर सकते ।

आपने यह भी कहा कि हो सकता है इस कोरोना पेंडामिक में कुलगुरु महोदय 1 साल के लिए पिछले पाठ्यक्रम को ही शुरु रखने का आदेश देख सकते है । और कहां कि वैसे तो हमारे पेपर नंबर 1 और पेपर नंबर 3 में कोई विशेष बदलाव नहीं होता वर्तमान बदलाव को लेकर कुछ ईकाइयां बदल दी जाती है । तो आप के हिंदी पेपर नंबर 1 (मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास सेमिस्टर 5 और आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास सेमिस्टर 6) मे कुछ अनुषंगिक बदलाव करके वैसा ही रखा जा सकता है । हिंदी पेपर नंबर 2 जिसका नाम "स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य "है उसमें आप सेमिस्टर 5 में हिंदी आधुनिक पद्य साहित्य जिसमें प्राचीन तथा अर्वाचिन काव्य खंडकाव्य तथा प्रतिनिधि कविताएं रख सकते है साथ ही सेमिस्टर 6 में आधुनिक गद्य साहित्य के अंतर्गत नाटक निबंध संग्रह या फिर रेखाचित्र संस्मरण आदि संग्रहण को रख सकते है ।हिंदी पेपर नंबर 3 में (सूचना प्रौद्योगिकी सेमिस्टर 5 और सोशल मीडिया सेमिस्टर 6) में कुछ ईकाइयां काटकर 20% तक का पाठ्यक्रम बदल सकते हैं ।

विषय क्रमांक 1 के ऊपर डॉक्टर अनिल कुमार सिन्ह ने रखी बातों पर विचार विनिमय करके अनुमति ठराव प्राप्त हुआ।

अनुमति ठहराव क्रमांक 1

क पेपर नंबर 1 में वस्तुनिष्ठप्रश्नो मे स्पर्धा परीक्षा को ध्यान में रखकर इसमें बदलाव किया जाए ।

ख पेपर नंबर 2 में वैचारिक निबंध संग्रह अत्याधुनिक कविताएं और एक अत्याधुनिक अनुवादित नाटक रखा जाए ।

ग पेपर नंबर 3 में सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्गत कुछ नये हिंदी सॉफ्टवेयर के व्यवहारिक ज्ञान का समावेश किया जाए ।

घर हिंदी पेपर नंबर 3 मई सोशल मीडिया के अंतर्गत अलग-अलग देशों के आपके ऊपर व्यवहारी अध्ययन का समावेश किया जाए ।

सूचक------डॉ अनिलकुमार सिन्ह
अनुमोदक-----डॉ राहुल मराठे

विषय क्रमांक 2
जिस स्थान पर महाविद्यालय है उसकी स्थानीय आवश्यकताओं को देखकर उसका समावेश पाठ्यक्रम में किया जाए ।
प्रस्ताव--
महाविद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल की अध्यक्षा प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने इस विषय को लेकर मुद्दा रखा कि यहां पर कुछ मूल्यों में कुछ उर्दू तथा फारसी शब्दों का समावेश है इस दृष्टि से पाठ्यक्रम में बदलाव हो सकता है ।
इस विषय को लेकर डॉक्टर राहुल मराठे जी ने एक बात उठाई कि इन ग्रामीण भागों में कुछ लोग खुद ही नाटकों की संहिता लिखते हैं और उसे प्रस्तुत करते है इन नाटकों का हिंदी में अनुवाद हो सकता है दोनों बातें सफल हो जाएगी।
डॉ राहुल मराठे के इस प्रस्ताव को लेकर विचार विनिमय हुआ -
अनुमति के ठराव क्रमांक 2
उपर्युक्त विषय को लेकर बच्चे स्थानिक संगमेश्वरी बोलने वाले मुस्लिम लोगों के बीच का उनके परस्पर होने वाले वार्तालाप में हिंदी तथा उर्दू के शब्दों का संग्रह पर क्षेत्रीय अध्ययन हो सकता है ।
सूचक ----राहुल मराठे
अनुमोदक --श्री बलवंत नलावडे
कार्यपत्रिका विषय क्रमांक 3
तृतीय वर्ष कला हिंदी पेपर नंबर 3 में सूचना प्रौद्योगिकी तथा सोशल मीडिया के अंतर्गत कुछ प्रैक्टिकल रखना ।
प्रस्ताव--
महाविद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्य डॉ विजयकुमार रोडे जी ने कार्यपत्रिका क्रमांक 3 में कहा कि कुछ नई तकनीकी तथा हिंदी के नए सॉफ्टवेयर के अंतर्गत कुछ कालावधी का प्रमाणपत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हो सकता है ।
उपर्युक्त विषय पर विचार विनिमय होने के बाद तय किया गया कि-
अनुमति के ठराव क्रमांक 3
इस विषय के संदर्भ में डॉक्टर वर्षा पाठक ने यह सुझाव दिया कि आजकल शैक्षणिक वीडियो बनाने वाले शिक्षक "शाबाश गुरु" जी नाम से जो प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहे हैं उसमें हम बच्चों को समाविष्ट कर सकता है और 7 या 8 दिनों का कोर्स हम बच्चों को दे सकते हैं तो प्रस्तुत बात पर ध्यान रखकर इस कोर्स का आयोजन किया जाए ।
कार्यपत्रिका विषय क्रमांक 4
बच्चों की अंतर्गत मूल्यमापन के लिए कुछ कार्यशालाओं का आयोजन किया जाय।
कार्यपत्रिका विषय क्रमांक 3
हिंदी पेपर नंबर 3 के सेमिस्टर 5 में सूचना प्रौद्योगिकी तथा सेमिस्टर 6 के सोशल मीडिया के पेपर्स के अंतर्गत कुछ व्यावहारिक अंशो को जोड़ दिया जाए ।

प्रस्ताव--
मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल के अध्यक्ष डॉ अनिल सिन्ह ने इस प्रस्ताव को रखा की

आपका महाविद्यालय हर सेमिस्टर में 30 अंकों का अंतर्गत मूल्यमापन कर रहा है । इस दृष्टि से औपचारिक परीक्षा लेने के बजाय इसके अंतर्गत विविध कार्यशाला का आयोजन कर बच्चों को 30 अंक दे सकते है ।
प्रस्तुत प्रस्ताव पर विचार विनिमय करके निम्न ठराव को अनुमति मिली ।

अनुमति के ठराव क्रमांक 4

इस विषय को लेकर बच्चों के लिए व्यासपीठीय सादरीकरण कौशल्य, निवेदन कौशल्य, पथनाट्य, निबंध लेखन ,कौशल्य अनुवाद कौशल्य आदि विषयों में से किसी विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए और इसमें समाविष्ट होने वाले बच्चों को अंतर्गत मूल्यमापन के 30 अंक दिए जाए ।सूचना--- डॉक्टर अनिलकुमार सिन्ह
अनुमोदन-- डॉ राहुल मराठे

कार्यपत्रिका विषय क्रमांक 5---

हिंदी विभाग की ओर से कुछ बच्चों के लिए मूल्याधिष्ठित प्रमाणपत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना ।

प्रस्ताव---

प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने एक बात रखी की हिंदी विभाग की ओर से बच्चों के व्यक्तिमत्व विकास के लिए यहां के नजदीकी पंत वालावलकर हॉस्पिटल की ओर से आयोजित किए जाने वाले मूल्याधिष्ठित और कौशल्याधिष्ठित शिविरों में बच्चों को भेजा जाता है । इस साल हॉस्पिटल ऑनलाइन कोर्स का आयोजन कर रहा है ।जिसमें कोरोनाकाल में लोगों की मानसिकता पर जो विपरीत परिस्थितियों का परिणाम हो रहा है उसे कैसे दूर किया जा सकता है इस विषय को लेकर शिविर का आयोजन होगा । जिसमें हम बच्चों को समाविष्ट कर सकता है ।
प्रस्तुत विषय पर विचार विनिमय होने के बाद ठराव क्रमांक 5 सम्मत हुआ ।

अनुमति के ठराव क्रमांक 4

उपर्युक्त विषय को लेकर डॉक्टर वर्षा फाटक में यह कहा कि हम हिंदी ,मराठी और अंग्रेजी के बच्चों को इसमें एक साथ समाविष्ट कर सकते है। अतः सभा तीनों भाषाओं को मिलकर ऐसा कार्यक्रम करने की अनुमति प्रदान करें। अतः सभा की ओर से पांचवें ठराव को भी अनुमति प्राप्त हुई।
इसीतरह उर्पयुक्त विषय उपाय अच्छी तरह से विचार विनिमय होकर पाठ्यक्रम किस प्रकार बदलना है कौन सी बातों को इसमें समाविष्ट करना है । इसके बारे में प्राध्यापिका पुजारी ने एक बार अल्प परिचय दिया और उपस्थित सम्मानीय सदस्यों का धन्यवाद व्यक्त करके साथ ही माननीय प्रधानाचार्य डॉक्टर नरेंद्र तेंदुलकर जिनका मार्गदर्शन समय-समय पर मिलता है इन्हीं भी धन्यवाद देकर यह सभा संपन्न हुई ।

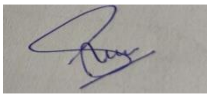

प्रा.स्नेहलता स.पुजारी

(अध्यक्ष,हिन्दी अध्ययन मंडल)